खबरें

सपा के विवाद का प्रहसन बन जाना ...04

जलीय जीवो को बचाने के लिए चम्बल मे कचरा फैकने से बचे- कलेक्टर ...02

एक और बायॉपिक में काम करेंगी प्रियंका! ...06

साप्ताहिक समाचार पत्र

MPHIN31130

पुष्पांजली टुडे

ग्वालियर|| वर्ष : 01 अंक: 1 | मंगलवार, 3 जनवरी 2017 | पृष्ठ: 8 मूल्य: 2 रु.

स्वास्थ्य विभाग खुद बीमार

शासन के करोड़ों रुपए खर्च करने पर भी मरीज सुविधाओं से वंचित

प्रदीप सिंह

ग्वालियर अंचल के सबसे बड़े स्वास्थ्य विभाग की बात करें तो भगवान ही मालिक है। जबकि शासन करोड़ों रुपये स्वास्थ्य पर खर्च कर रहा है। पर पता नहीं वह करोड़ों रुपये कहा खर्च हो रहे है। भर्ती मरीजों के साथ रूखा व्यवहार किया जाता है। उसमें भी अगर कोई मरीज रात को इमरजेंसी में चला जाये तो वहां मौजूद डॉ. राव को मरीज के अटेण्डर पर ऐसे टूटते है जैसे उनकी किसी ने जागिर खा ली हो क्योंकि रात को उनकी नींद खराब होती है यह नजारा रोज रात को 12 बजे के बाद का है। अगर अटेण्डर जोर से बोले तो वहां मौजूद गार्ड और डा. मिलकर उसे इतना सुना देते है जैसे अटेण्डर मरीज नहीं जबकि क्या लेकर आ गया हो, जब स्वास्थ्य विभाग खुद ही बीमार है तो वह जनता का क्या इलाज करेगी। इलाज के नाम पर भर्ती मरीज की 100 रुपये की पर्ची कटती है। उस 100 रुपये में सिर्फ डाक्टर और पंलग ही मिलता है बाकी छोटा-छोटा समान भी बाहर से मंगाया जाता है जहां तक की शुगर चेक करने की स्टिक तक वहां मौजूद नहीं है नाम शासन का काम प्राइवेट का। जो भी चाहिये वहां के डाक्टर बाजार से मंगाते है। मरीज का इलाज कराना है तो उसे बाहर से लाना ही पड़ेगा न्यूरोसर्जन विभाग का तो और बुरा हाल है भर्ती मरीज की हैसियत नहीं देखी जाती कि वह बाजार से सामान ला पायेगा की नहीं वह तो एक लाइन में पर्ची बनाकर अटेण्डर को देते है। हर मरीज के पंलग पर सिटी स्केन, एम.आर.आई. की पर्ची दी जाती है। और एक जगह की पर्ची बनती है अगर वह दूसरे किसी से करा ले तो उसे ऐसे बोलते है जैसे उनके पैसे छीन लिये हो। एम.आर.आई. वालों के दलाल अन्दर घुमते नजर आते हैं। ब्लड टेस्ट करने वालों के आदमी भी ऐसे अन्दर आते है और पूछते है जैसे प्राइवेट अस्पताल में चेक करने वाले बैठे होते है। अभी हाल ही में एक मरीज ने नाम न छापने पर बताया कि मैं अक्टूबर में वह भर्ती हुआ वह मरीज अपनी परेशानी में तो आता है मगर मौजूद डॉक्टर उसे इतना सुना डालते है जैसे उसने कोई गुनाह कर दिया जे.एच. अस्पताल आ कर अंदर कुछ पंलग टूटे पड़े है तब यह बाते उसके अटेण्डर ने डॉक्टर को बताई तो बोले पंलग अपने घर से मंगा लो और अगर कोई अटेन्डर जोर से बोल दे तो गन्दा-गन्दा बोलते है फिर कहते है

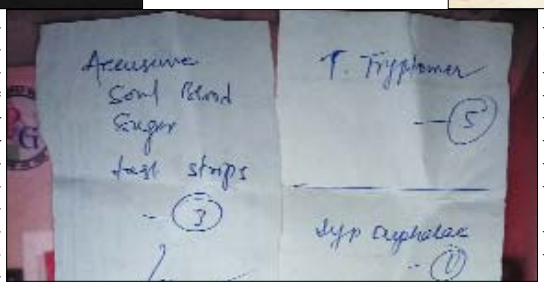

नाम शासन का काम प्राइवेट

अटेण्डर मारपीट करता है। जबकि कोई डाक्टर यह नहीं सोचता कि वह अपने मरीज को लेकर आया है उस से आराम से बात की जाये प्यार दया भावना तो यहां डाक्टरों में है ही नहीं यह नजारा जब भी देखना है तो रात 1 बजे से 3 बजे तक आकर देखे कि वह किस प्रकार का व्यवहार करते है। जब शहर के मुखिया (यानी) जे.ए.एच. अस्पताल का है तो बाकी डिस्पेन्सरी का क्या होगा।

प्रसव वाली महिलाओं का तो और ही बुरा हाल है। सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने आ रही गर्भवती महिलाओं से इनाम के तौर पर 1300 रु. से 2100 रुपये तक अवैध वसूली की जा रही है और अगर कोई महिला किसी डिस्पेन्सरी में प्रसव कराने आती है तो उससे भी मांग की जाती है। अगर उसके परिजन देने की मना करते है तो उन्हें दूसरी जगह रैफर करने की धमकी देते है। वैसे तो सरकारी अस्पताल में नि:शुल्क प्रसव होते है लेकिन लक्ष्मीगंज प्रसूती ग्रह में रुपये वसूले जाते है हाल ही में ममता (काल्पनिक नाम) प्रसव पीड़ा होने पर रात 1 बजे के करीब प्रसूती ग्रह पहुंचे वहां चेकप के दौरान मौके पर उपस्थित स्टाफ नर्स और दाई ने 2100 रुपये की मांग की परिजनों ने पहले तो रुपये देने से मना कर दिया तब स्टाफ नर्स व दाई ने ज्यादा दबाव बनाया तो 1200 रुपये देने पड़े 500-500 रुपये स्टाफ नर्स और 100-100 दाइयों को आपस में बांट दिये और यह रकम इनाम के तौर पर मांगी जाती है यह इनाम तो देना ही पड़ेगा अन्यथा प्रसव महिला को कही भी ले जाने की धमकी दी जाती है। खून बढ़ाने के इजेक्सन के नाम पर 2500 रुपये तक मांगे जाते है। उक्त राशि रामवती (परिवर्तन नाम) निवासी जेलरोड से मांगे गये पति ने बताया कि पैसे नहीं देने के एवज में उससे बुरा बर्ताव किया गया ऐसे कई लोग है जो इनके शिकार है। **(शेष पृष्ठ दो पर)**

वार्षिक उत्सव व सम्मान समारोह सम्पन्न

ग्वालियर। साक्षी रक्तदान समूह द्वारा एक वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम मदनमोहन मन्दिर मुरार में सम्पन्न हुआ इस कार्यक्रम में शहर के तमाम समाज सेवी लोग एकत्रित हुए जिसमें युवाओं ने बढ़चढ़कर भाग लिया। इस कार्यक्रम में स्कूली छात्र-छात्राओं ने भी अपनी सहभागिता निभाई। रक्तदान -महादान कार्यक्रम में संस्थान के सदस्यों ने लोगों से अधिक से अधिक संख्या में रक्तदान करने की अपील की। इस सम्मान समारोह कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. डी.डी. शर्मा सिविल सर्जन मुरार, डॉ. आर पी शर्मा, सचिव रेडक्रास सोसायटी डॉ. सुनील शर्मा (नील पैथोलाजी) मुख्य वक्ता डॉ. उमाशंकर पचोरी लोकेन्द्र पाराशर जी, बी.जे.पी. प्रदेश मीडिया प्रभारी कार्यक्रम का संचालन त्रष्टुप चंसोलिया ने किया कार्यक्रम में समिति के प्रमुख पदाधिकारी अरविन्द सिंह कुशवाह, राम पाठक, शोभराज, राजेन्द्र ज्ञ, अनिल राजपूत, सुनील शर्मा, मुकेश राजावत, प्रतीक सक्सैना, भरत चौहान मेघा जैन, श्याम शर्मा, मयंक गुप्ता, नकुल धमोले, प्रदीप किरार, राहुल भदौरिया, मुनेन्द्र भदौरिय, जय शर्मा, रवि शर्मा, लक्ष्मण परिहार, लोक प्रिय सिंह तोमर, सैंकी ठाकुर सहित अनेक लोग उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करना, रक्तदान का महत्व समझाना रक्तदान से जुड़ी भ्रान्तियों से समाज के लोगों को सजग करना। इस कार्यक्रम में रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को स्मृति चिन्ह व सम्मान पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।

स्कूली बच्चों के लिये चलाया जायेगा आसपास की खोज कार्यक्रम

भोपाल

स्कूल शिक्षा विभाग सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों को अपने क्षेत्र की संस्कृति, परम्परा और रीति-रिवाज से अवगत करवाने के लिये %आसपास की खोज%% कार्यक्रम शुरू कर रहा है। इस संबंध में जिलों के डाइट प्राचार्य और परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केन्द्र को निर्देश जारी किये गये हैं। कार्यक्रम के लिये 51 जिले के 2966 शाला का चयन किया गया है।

आसपास की खोज कार्यक्रम में बच्चों से प्रोजेक्ट तैयार करवाये जायेंगे। प्रोजेक्ट में देश की रक्षा में बलिदान देने वाले वीर महापुरुषों की जीवन-गाथा, क्षेत्र की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक धरोहर का महत्व, पॉलिथिन-मुक्त गाँव या शहर बनाने के लिये क्या प्रयास किये जा सकते हैं, को शामिल किया जायेगा। इसके अलावा संबंधित क्षेत्र में मनाये जाने वाले तीज-त्यौहार और उनकी मान्यताएँ, क्षेत्र में उगाई जाने वाली फसलें, आपदा के समय किये जाने वाले कार्य और क्षेत्र की लोक-संस्कृति, गाथाओं और कहावतों को भी प्रमुख रूप से शामिल किया जायेगा। कार्यक्रम में शाला के प्रोजेक्ट कार्यों पर पुस्तिका का निर्माण भी करवाया जायेगा।

जलीय जीवों को बचाने के लिए चम्बल में कचरा फैकने से बचे- कलेक्टर

मुरैना

प्रशासन, पत्रकार एवं कॉलेज के छात्रों ने चम्बल किनारे किया श्रमदान

चम्बल नदी पवित्र है, इसकी पवित्रता को बनाये रखना हम सबकी जिम्मेदारी है। आओ मिलकर हम सब श्रमदान करें, चम्बल नदी की पवित्रता बनी रहे । चम्बल नदी मध्य प्रदेश की ही नहीं बल्कि देश की सबसे नोन पोलूटेट नदी है । यह बात कलेक्टर श्री विनोद शर्मा ने आज चम्बल नदी भानपुर राजघाट पर श्रमदान करते समय कही । इस दौरान उनके साथ मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री अनुराग वर्मा, एसडीएम श्री प्रदीप तोमर, पत्रकारगण, शिक्षक संघ के श्री नरेश सिकरवार, सब जेलर श्री जी एस मौय, डाइट के विसेन्द्र पाल सिंह जादौन, जिला समन्वयक श्री महेश तोमर, जीवाजी यूनीवूसटी के प्रोफेसर श्री आर जे राव, स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया इन्दौर के श्री महेश शर्मा सहित कॉलेज के लडके, लडकियां उपस्थित थे ।

श्रमदान करते समय कलेक्टर श्री विनोद शर्मा ने कहा कि समस्त विभाग व एनजीओ मिलकर माह के प्रथम रविवार को श्रमदान करे । कलेक्टर ने कहा कि इसके लिए सभी प्रबंध किये जायेगे । जिसमें डस्टबिन, फाउडा, सहित अन्य सफाई सामग्री वन विभाग के देख-रेख में रखी जायेगी । उन्होने कहा कि एनजीओ, समस्त विभाग रूटीन के हिसाब से श्रमदान कर इसमें फैकने वाली विभिन्न प्रकार की सामग्री, वेष्ट मटेरियल को नस्ट कर चम्बल को पवित्र बनायेंगे। उन्होने कहा कि इसकी शुरूआत आज नववर्ष के प्रथम दिन रविवार से प्रारंभ की गई है।

कलेक्टर ने कहा कि चम्बल पुल की दोनों तर्फ जालियां का स्टीमेट तैयार कर भेजा गया है । अनुमति शीघ्र प्राप्त होते ही जालियां लगादी जायोगी, जिससे पुल से पूजा सामग्री या अन्य सामग्री अब नदी में नहीं फैकी जा सकेगी । कलेक्टर ने कहा कि चम्बल नदी में गंदगी फैकना दण्डनीय अपराध है । चम्बल की पवित्रता बनाये रखने में सहयोग प्रदान करें ।

कलेक्टर ने कहा कि स्कूली बच्चे भी यहां पिकनिक के रूप में घूने के लिए आये उनके लिए विभिन्न प्रकार की खेल सामग्री पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रहेगी , जिसमें बालीबाल, क्रकेट, बेडमिन्टन आदि । उन्होने कहा कि स्कूली छात्र-छात्रायें भी चम्बल में श्रमदान कर सकतीं है।

जीवाजी यूनिवूसटी के प्रोफेशर श्री आर जे राव ने कहा कि चम्बल नदी पवित्रता में श्रेष्ठ मानी जाती है, किन्तु विभिन्न प्रकार की पूजा सामग्री या अन्य सामग्री फैकने से चम्बल नदी में जलीय जीव जन्तु का स्वास्थ्य कमजोर होता है क्यों कि प्लास्टिक या अन्य प्रकार की सामग्री पानी में घुलती नहीं है जलीय जीव उसे ख लते है । पजब प्लास्टिक जैसी सामग्री के खान-पान में स्वत: ही पेट में चली जाती है, जिससे जलीय जीवों को हानि होती है । हम सभी को यहा प्रण करना चाहिए कि चम्बल में गंदगी फैकने वालों को रोके ।

जल संसाधन मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा ग्राम कुम्हेड़ी को सामुदायिक भवन एवं सीसी रोड़ की महा सौगात दी

दतिया

प्रदेश शासन के जल संसाधन, जनसम्पर्क एवं संसदीय कार्य विभाग मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा ग्राम कुम्हेड़ी में पहुंचकर पांच लाख की लागत से बनकर तैयार हुए सामुदायिक भवन एवं 9 लाख 65 हजार की लागत से निर्मित सीसी रोड़ कुल दोनो कार्य 14 लाख 65 हजार की राशि के निर्माण कार्यो का विधिवत लोकार्पण कर ग्राम को महा सौगात दी।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पूर्व में बिजली कभी-कभी आती थी किन्तु अब मध्यप्रदेश में हमारी सरकार ने भारी परिवर्तन करते हुए आम आदमी की अत्यंत जरूरी आवश्यकताओं को देखते हुए बिजली पानी की पूर्ति की है। हमारी सरकार ने हर गरीब को काम दिया है हर घर में महिलाओं की चिन्ता करते हुए गैस कनेक्शन वितरित किए है। अभी हाल में ही हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किसानों और गरीबों की चिन्ता करते हुए अनेक प्रकार की कल्याणकारी योजनाओं की घोषणा की है जो कि आगामी आने वाले दिनों में प्रभावी रूप से सामने आयेगी। इस अवसर उन्होंने कहा कि हमने पुराने वर्ष में दतिया में अनेक विकास कार्य किए है। इसी श्रृंखला को आगे बढ़ाते हुए नववर्ष में भी दतिया को उन्नति करते हुए प्रदेश में प्रथम स्थान दिलाना है।

कार्यक्रम के दौरान भिण्ड-दतिया सांसद डॉ. भागीरथ प्रसाद ने दतिया विधायक और जनसम्पर्क, जल संसाधन मंत्री डॉ. नरोत्तम मिश्र द्वारा दतिया जिले को नई-नई सौगात देने पर बहुत-बहुत बधाई दी एवं उन्होंने आशा व्यक्त की आगामी आने वाले दिनों में भी इसी प्रकार का क्रम चलाते हुए दतिया को बहुत सौगातें मिलेगी। उन्होंने कहा कि हमारी विधायक की पूरे देश में काम करने की शैली की प्रशंसा होती है। इसका उदाहरण प्रधानमंत्री द्वारा की गई प्रशंसा है। इस अवसर पर मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम के उपाध्यक्ष श्री अवधेश नायक एवं वरिष्ठ पार्षद श्री मुकेश यादव द्वारा भी अपने विचार प्रकट किए गए।

विजयगढ़ में कल स्वच्छता सभा

मेहगांव। जिले में स्वच्छता अभियान में लोगों की सहभागिता बढ़ाने के लिए मंगलवार 3 जनवरी को गोरमी के विजयगढ़ गांव में स्वच्छता सभा का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम के संयोजक ज़िला पंचायत सदस्य ब्रजकिशोर शर्मा कल्लू ने बताया कि इसमें चार पंचायतों की जनता शामिल होगी। कार्यक्रम में ज़िला पंचायत अध्यक्ष रामनारायण हिंडोलिया, ज़िला कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी, एसपी अनिल सिंह कुशवाह, सीईओ ज़िला पंचायत प्रवीण कुमार सिंह, एडीशन एसपी अमृत मीना, पूर्व एडीशन एसपी यूसी पाण्डे, सीईओ जनपद पंचायत मेहगांव, पूर्व एसडीओपी केडी सोनकिया, जिला एवं जनपद पंचायत के सदस्यए सरपंच, पंचायत सचिव एवं भारी संख्या में ग्रामीण जन शामिल होंगे।

भाजपा का मूलमंत्र सबका साथ सबका विकास: उमाशंकर गुप्ता

भिण्ड,ब्यूरो। प्रभारीमंत्री उमाशंकर गुप्ता जिले में दो दिवसीय प्रवास के दूसरे दिन आज दंदरौआ धाम पर डॉ हनुमान मंदिर के दर्शन करने पहुंचे उन्होंने वहाँ रामदास महाराज से आशीर्वाद लिया इसके साथ ही अटेर क्षेत्र के दौरे में स्थानीय कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा मध्यप्रदेश के मुखिया शिवराज की सरकार जनहितैषी होकर सबका साथ सबका विकास: के मूलमंत्र पर काम करने वाली सरकार है। भारतीय जनता पार्टी जात पात आधारित वोटबैंक की राजनीती नही करती हम तो सार्वजनिक काम करके सबके साथ की तर्ज पर काम करते हैं चाहे हमे कोई वोट दे या न दें फिर भी सबके विकास: हेतु काम करते हैं यहां हम कोई एहसान नही करते बल्कि यह हमारा नैतिक कर्तव्य है जिसके लिए हम पूर्ण जिम्मेदारी से सेवा करके निभाते हैं उक्त उदगार उन्होंने ग्राम शुक्लपुरा, हिम्मतपुरा मघारा, कदौरा में जनसमूह को संबोधित करते हुए कहे।

प्रथम पेज का शेष

शासन के करोड़ों रुपए खर्च करने पर....

जब अधिकारियों से बात करे तो उनका कहना है हम कोई शिकायत तो करें जब वह कही जाने नहीं देते तो शिकायत कहा करे जबकि प्रसूती गर्भवती महिलाओं को प्रसव के बदले शासन राशि उपलब्ध कराता है मगर वह राशि स्टाफ इनाम की तौर पर पूरी ले ली जाती है सरकारी अस्पताल में प्रसव कराने आई महिला को क्या मिला न कोई ढंग से खाने की व्यवस्था है न उसे जननी एक्सप्रेस की सुविधा मिलती है फिर यह सुविधा कहां जाती है कुछ लोगों ने इसकी शिकायत अक्टूबर में सी.एम. हेल्प लाइन में भी की थी मगर अभी तक कुछ नहीं हुआ इस वसूली को देखकर लगता है कि शासन को प्रसूती को राशि देने के बदले वहां स्टाफ नर्स को चेक बना दिया करे कि किस नर्स ने कितनी डिलेवरी कराई है। जबकि शासन प्रतिमाह करोड़ों रुपये खर्च कर रहा है मगर कोई सुविधा नहीं है जबकि प्रतिवर्ष सतत निरंतर खर्चे हो रहे है। अभी कुछ समय पूर्व स्वास्थ्य सेवाओं की हकीकत जानने के लिये प्रदेश स्तर पर बड़े अधिकारी जी ने जांच की तो मालूम चला कि कोई मशीन तो नई की नई शील पेक हुई है। कोई चलाना ही नहीं जानता जो चलाना जानते भी है तो उसका फायदा आम जनता को नहीं मिल रहा दवा गोलियों के नाम पर जो दवा मिलती है। उसका ठीक से वितरण नहीं हो पा रहा जो दवा वितरण करने बैठे है वह दवा को समझ ही नहीं पाते उन्हें बस काउटिंग मालूम है कि सात दिन की 5 दिन की देनी है क्या दे रहे खुद को पता नहीं अगर कोई उसका विरोध करता है तो कहा जाता है कि तुम डाक्टर हो क्या, कुछ दवाईयां तो भण्डार ग्रह की शोभा बढ़ाते-बढ़ाते एक्सपायर हो जाती है। इन्हें दूर करने के लिये जिम्मेदार लोगों के विरूद्ध कोई ठोस कड़ी कार्यवाही क्यों नहीं होती क्यों स्वास्थ्य महकमा किसी भी मामले में लीपापोती कर अपने कर्मचारियों पर आंच नहीं आने देता क्यों जनता को स्वास्थ्य का लाभ नहीं मिल पा रहा यह चिन्ता का विषय है करोड़ों अरबों रुपये प्रतिवर्ष आम नागरिक के स्वास्थ्य के लिये सरकार खर्च कर रही है। परन्तु स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ भृष्ट लोगों के कारण स्वास्थ्य सुविधाओं से आम आदमी को वंचित रहना पड़ता है इसके साथ-साथ स्वास्थ्य केन्द्रों पर पदस्थ चिकित्सक अपनी निजी दुकानदारी हेतु अस्पताल परिसर के आसपास ही निजी रूप से चिकित्सालय संचालित कर रहे है। कई चिकित्सक तो सरकारी क्वाटर में बैठकर ही अपनी दुकानदारी संचालित कर रहे है और वरिष्ठ अधिकारी अंधेपन का मोटा चश्मा लगाकर गतिविधियों से अनजान बन बैठे हैं वरिष्ठ अधिकारी कार्यवाही करने से क्यों डरते हैं? क्या उन्हें इस रकम का कुछ हिस्सा उनके पास पहुंचता है या फिर जानकार भी अनजान बने रहना चाहते है। अगर यही हाल रहा तो शासकीय चिकित्सा व्यवस्था में सुधार कैसे सम्भव है। जब चिकित्सा महकमा ही घोर लापरवाही करेगा तो आम आदमी को बेहतर सुविधा कैसे मिल पायेगी।

गुढ़ी पड़वा को मनाया जाए नववर्ष: पं. रामकुमार भार्गव

शिवपुरी। प्रियदर्शनी कॉलोनी में आयोजित मध्य क्षेत्रीय ब्राह्मण सभा की बैठक को संबोधित करते हुए संभागीय अध्यक्ष पं. राकुमार भार्गव ने कहा कि हिन्दू सभ्यता का नूतन वर्ष तो गुढ़ी पड़वा को मनाया जाता है जिस दिन हमारा नव सवत्सर बदलता है और उसी दिन से माँ दुर्गा घर-घर में स्थापित कर विशेष पूजा अर्चना की जाती है। लेकिन हमारी युवा पीढ़ी पाश्चात सभ्यता की ओर बढ़ रही है। इसलिए हम सभी को अपने बच्चों में अधिक से अधिक हिन्दू संस्कृति भावना को जागृत करना हैं और गुढ़ी पड़वा को नव वर्ष मनाने की भावना जागृत करना है। इस अवसर पर मध्य क्षेत्रीय ब्राह्मण सभा की शहर महिला अध्यक्ष श्रीमती ऊषा भार्गव ने अपनी नवीन कार्यकारिणी के विस्तार की बात कहीं। साथ अन्य विप्र बन्धुओं ने अपने-अपने सुझाव दिए जिसमें बैठक अध्यक्षता कर रहे शिवकुमार दुबे ने कहा कि समाज में विप्र बन्धुओं को आपस में मेल मिलाप होना अति आवश्यक है। साथ ही शहर के प्रत्येक वार्ड में निवासरत ब्राह्मण की बैठक आयोजित की जाएगी जिससे सभी में एक जुटता बनी रहे। इस अवसर पर दयाशंकर पाण्डे, उमेश भारद्वाज, विक्रम त्रिवेदी, ओमप्रकाश शर्मा, राजकुमार शर्मा, कैलाश भार्गव, अतुल भार्गव, के.के. भार्गव, पंकज भार्गव, श्रीमती ऊषा भार्गव, श्रीमती रानी भार्गव, श्रीमती नीलम मिश्रा, श्रीमती सुनीता भार्गव, कैलाशचन्द्र शर्मा, मुकेश मिश्रा, महेन्द्र शर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

Iarpan Group Of

Bhartendra Sharma (Ishu)
Founder & Director

Ranveer Singh Chauhan
Founder & Director

1 - Government projects
2 - Sales Sector..
3 - Placement & Consultancies Services...
4 - Software developers....

Pranav Shrivastava
Founder & Director

Ashish Chowdhury
Founder & Director

Office Address - 67 Anupam nagar extension city center gwalior (M.P) 474011

Contact :- 0751-2343886, 9074115220,7389791337,8982525026..

Panchhi Raj

The House Of Quality

Petha , Gajak, Sweets & Namkeen

H.O.: Panchhiraj petha store Dana Oli,lashkar,Gwalior (M.P)
Work Branch : near Ram Janki Temple main road,Phalka Bazar,Lashkar Gwalior (M.P.)
Ph.Off 2634042, Fax : 0751-2334243 W.shop 0751-2422674

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

रविन्द्र सिंह तोमर (मिड़ोसा)
प्रदेश सचिव म.प्र. कांग्रेस कमेटी

अनिल सिंह चौहान
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

डॉ. राजेश नरवरिया
पितांबरा हॉस्पीटल
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

डॉ. सुदर्शन बघेल
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

रुकमणी सोलंकी (रुचि)
मार्केटिंग हैड
पुष्पांजली टुडे

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

शुभम् शर्मा
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

आर्यन सूर्यवंशी
डायरेक्टर
सूर्यवंशी ग्रुप ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे (समाचार पत्र) के प्रथम अंक के प्रकाशन पर

हार्दिक शुभकामनाऐं

मेघा जैन
समाज सेवी
ग्वालियर

सम्पादकीय

जागरूकता बढ़ाए सरकार

नोटबंदी लागू करने के साथ ही सरकार ने कैशलेस अर्थव्यवस्था को चलन में लाने की बात भी कही थी। अब लगता है कि 2017 के लिए यही उसका प्रमुख अजेंडा होगा। सरकार ने संकेत दिया है कि वह कम नोट छापेगी और मुद्रा की भरपाई डिजिटल करंसी से की जाएगी। उसने मान लिया है कि इस एक उपाय से कालेधन पर रोक लग जाएगी, भ्रष्टाचार खत्म हो जाएगा। यह बात सही है कि इससे कुछ समस्याओं में कमी आ सकती है, पर क्या भारत जैसे देश को सरकारी हुक्म से कैशलेस इकॉनमी बनाना संभव है? शुरू में जब कैश की किल्लत हुई तो कई लोग ऑनलाइन या कार्डों से खरीदारी करने लगे, लेकिन नगदी का फ्लो बढ़ते ही लोग दोबारा कैश से ट्रांजैक्शन करने लगे हैं।

इसका मतलब यह नहीं कि वे कैशलेस ट्रांजैक्शन नहीं कर सकते। सच्चाई यह है कि देश का शहरी मध्यवर्ग कई तरीकों से चीजों और सेवाओं का लेन-देन करता है। जैसे, वह होम लोन की किस्तों का भुगतान ऑनलाइन ही करता है। बच्चों की फीस भी ऑनलाइन देना पसंद करता है। मॉलों में बड़ी खरीदारी कार्डों से करता है। लेकिन अपने मोहल्ले में छोटे-मोटे सामान और सब्जी वह कैश से खरीदता है। ऑटोरिक्शा वाले, दूधवाले और घर में काम करने वाली घरेलू सहायिका को भी नकद भुगतान करता है।

दरअसल इसमें उसकी मर्जी नहीं चलती। हमारी अर्थव्यवस्था का स्वरूप ही ऐसा है कि हमें भुगतान के कई विकल्पों पर निर्भर रहना पड़ता है। फिर, कैशलेस के विकल्प आज भी बहुत आकर्षक नहीं हैं। आलम यह है कि डिजिटल भुगतान करने वाले को इस पर ट्रांजैक्शन चार्ज, सर्विस चार्ज, सर्विस टैक्स, स्वच्छ भारत सेस और कृषि कल्याण सेस जैसे खर्चे ऊपर से देने होते हैं। यह अलग बात है कि सरकार ने सर्विस टैक्स को लेकर तात्कालिक राहत दे रखी है। ऐसे में जहां नकद और कैशलेस दोनों विकल्प होंगे, व्यक्ति स्वाभाविक रूप से कैश को अपनाएगा। कैशलेस और कैश में अंतर समाप्त हुए बगैर कोई डिजिटल भुगतान क्यों करेगा?

सरकार कहती है कि वह अर्थव्यवस्था से बिचौलियों को बाहर करेगी, लेकिन कैशलेस सिस्टम में तो भुगतान देने वाले और लेने वाले के बीच कई एजेंसियां शामिल रहती हैं। इसलिए कैशलेस व्यवस्था को पहले हर तरीके से मुफीद बनाना होगा। यह नहीं भूलना चाहिए कि इंटरनेट की पहुंच अभी 27 प्रतिशत लोगों तक ही सीमित है। ग्रामीण भारत में तो मात्र 13 प्रतिशत लोगों के पास यह सुविधा है। देश में केवल 17 फीसदी वयस्कों के पास स्मार्ट फोन है। निम्न आय वर्ग के मात्र सात फीसदी लोग स्मार्ट फोन का उपयोग कर रहे हैं। फिर भारत में इंटरनेट की गति भी धीमी है। इन पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है। कैशलेस इकॉनमी का विरोध कोई नहीं कर रहा, पर इसमें वक्त लगेगा और हर हाल में इसकी एक हद होगी। सरकार इसे लेकर जागरूकता बढ़ाए, पर इस मुद्दे पर जिद पकड़ना ठीक नहीं।

सपा के विवाद का प्रहसन बन जाना

निर्मल पाठक,

पुरानी कहावत है कि राजनीति में हमेशा दो और दो चार नहीं होते। यह जरूरी नहीं कि जो दिख रहा है, वह वैसा ही हो। इसलिए उत्तर प्रदेश में सत्तारूढ़ समाजवादी पार्टी में अप्रत्याशित और तेजी से बदल रहे घटनाक्रम के बीच यह मानना आसान नहीं है कि इस दंगल का आखिरी नतीजा आ चुका है। हर पल सामने आ रहे नए रणनीतिक पैंतरों और शह-मात के खेल में अभी यह सवाल बना रहने वाला है कि आखिरी बाजी किसके हाथ लगेगी? दो महीने पहले भी समाजवादी पार्टी में इसी तरह के हालात बने थे। अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में यह मानने वालों की कमी नहीं थी कि पार्टी टूट गई है और मुख्यमंत्री अखिलेश यादव नई पार्टी बनाने जा रहे हैं। तब करीब एक सप्ताह तक देश भर के मीडिया में परिवार का झगड़ा ही सुर्खियों में था।

जिस अप्रत्याशित तरीके से झगड़ा शुरू हुआ था, उसी तरीके से सारे पर्यवेक्षकों को हैरान करते हुए परिवार के मुखिया मुलायम सिंह ने विवाद पर परदा डाल दिया था। अब भी न झगड़े के कारण बदले हैं, न किरदार। तब और अब में कुछ अंतर है, तो वह समय का है। जो झगड़ा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था और जिस पर शायद केवल परदा डाला गया था, ऐसे समय फिर शुरू हुआ है, जब राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। मुख्य किरदार अखिलेश यादव और उनके चाचा व सपा प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के लिए यह करने या मरने का समय है। वर्चस्व स्थापित करने की इस लड़ाई में जो पीछे रह जाएगा, आशंका है कि उसे फिर आगे आने का मौका नहीं मिलेगा। लगभग 48 घंटे के नाटकीय घटनाक्रम व एक और संघर्ष विराम के बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह विवाद फिर से सिर नहीं उठाएगा।

जिस अप्रत्याशित तरीके से झगड़ा शुरू हुआ था, उसी तरीके से सारे पर्यवेक्षकों को हैरान करते हुए परिवार के मुखिया मुलायम सिंह ने विवाद पर परदा डाल दिया था। अब भी न झगड़े के कारण बदले हैं, न किरदार। तब और अब में कुछ अंतर है, तो वह समय का है। जो झगड़ा पूरी तरह खत्म नहीं हुआ था और जिस पर शायद केवल परदा डाला गया था, ऐसे समय फिर शुरू हुआ है, जब राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। मुख्य किरदार अखिलेश यादव और उनके चाचा व सपा प्रदेश अध्यक्ष शिवपाल सिंह यादव के लिए यह करने या मरने का समय है। वर्चस्व स्थापित करने की इस लड़ाई में जो पीछे रह जाएगा, आशंका है कि उसे फिर आगे आने का मौका नहीं मिलेगा। लगभग 48 घंटे के नाटकीय घटनाक्रम व एक और संघर्ष विराम के बाद भी इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि यह विवाद फिर से सिर नहीं उठाएगा।

मुखिया मुलायम सिंह के लिए यह धर्मसंकट वाली स्थिति है। वह अपने उस बेटे को दंडित भी नहीं कर सकते, जिसे उन्होंने ही अपना वारिस घोषित किया है और न ही वह अपने उस भाई को निराश करना चाहते हैं, जिसकी महत्वपूर्ण भूमिका की बदौलत बेटे को मुख्यमंत्री की कुरसी मिली है। शिवपाल यादव के लिए यह लड़ाई पार्टी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने के साथ निजी प्रतिष्ठा की लड़ाई भी है। लेकिन अखिलेश यादव और उनके पिता मुलायम सिंह यादव जानते हैं कि लड़ाई को अहं और प्रतिष्ठा का सवाल बनाया, तो पार्टी के साथ दोनों के बर्बाद होने में कोई कसर नहीं बचेगी। अखिलेश चाहे जितने लोकप्रिय हों, उन्हें यह एहसास है कि चुनाव के चार दिन पहले नई पार्टी बनाकर मैदान में उतरना कितना जोखिम भरा हो सकता है? हो सकता है कि उनके शुभचिंतकों को भरोसा हो कि वह सपा का चुनाव चिह्न हासिल कर लेंगे, मगर राजनीतिक लड़ाइयां कानूनी दांव-पेचों से नहीं जीती जातीं।

साल 2012 में हुए उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों में सपा की जीत का श्रेय भले उन्हें गया हो, मगर तब मुलायम और शिवपाल की भूमिका कम महत्वपूर्ण नहीं थी। मुलायम सिंह भी यह जानते हैं कि उम्र और स्वास्थ्य उनके पक्ष में नहीं हैं। अखिलेश से उनकी चाहे जितनी नाराजगी हो, वह खुद को अगले मुख्यमंत्री के तौर पर पेश नहीं कर सकते। न ही शिवपाल यादव मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा हो सकते हैं। शिवपाल यादव को हो सकता है कि यह गलतफहमी हो, मगर मुलायम सिंह यह अच्छी तरह जानते हैं कि उनमें अब इतना दम-खम नहीं है कि एक विभाजित पार्टी को सत्ता में ले आएं। तो क्या मुलायम सिंह जान-बूझकर अखिलेश और शिवपाल यादव के झगड़े को समाप्त नहीं करना चाहते?

इसमें कोई दोराय नहीं हो सकती कि उत्तर प्रदेश में सपा को सत्ता में लाने में मुलायम सिंह की मेहनत और निजी संपर्कों की बड़ी भूमिका रही है। परंपरागत राजनीति में विश्वास करने वाले मुलायम सिंह उन लोगों को निराश नहीं कर सकते, जिन्होंने सपा को यहां तक पहुंचाने में उनका हर मौके पर साथ दिया है। स्वाभाविक है कि वह अखिलेश से अपेक्षा करते हैं कि वह सत्ता का लाभ उनके शुभचिंतकों के साथ भी बांटें। व्यक्तिगत राजनीतिक मजबूरियों या महत्वाकांक्षा के चलते वह आगे के लिए भी अखिलेश के वास्ते पूरा मैदान खाली नहीं छोड़ना चाहते। ऐसे में, शिवपाल यादव उनकी मदद करते हैं। मगर यह गौर करने वाली बात है कि परिवार में अब तक जितनी बार विवाद हुआ है, शिवपाल यादव को ही नीचा देखना पड़ा है। अखिलेश का रुतबा हर बार बढ़ा है, वह पहले से अधिक मजबूत हुए हैं और अपने पिता व चाचा की कीमत पर उनकी लोकप्रियता में भी बढ़ोतरी हुई है। अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में हुए विवाद में जब सपा विधायकों के सामने किसी एक का पक्ष लेने की नौबत आई थी, तब अखिलेश यादव के साथ 180 के करीब विधायक थे, जबकि शनिवार की सुबह उनके साथ दो सौ विधायक खड़े थे। पिछले दो माह से चल रहे विवाद का दूसरा बड़ा फायदा उन्हें यह हुआ है कि राज्य में पिछले चार वर्ष चर्चा में रहा कानून-व्यवस्था का मुद्दा पीछे चला गया है। प्रशासनिक अव्यवस्था और गुंडाराज जैसे जुमले नोटबंदी ने और पीछे धकेल दिए हैं। कहां उन्हें एक बटा पांच मुख्यमंत्री कहा जाता था और अब भविष्य का नेता बताया जा रहा है। एक बार यदि मान लिया जाए कि चुनावों के ठीक पहले यह सब मुलायम सिंह की सोची-समझी रणनीति के तहत हो रहा है, तो क्या चुनावी नतीजे भी उनकी सोच के मुताबिक ही होंगे? यह मानना अभी जल्दबाजी होगी। परिवार में इस नए संघर्ष विराम के बाद कुछ नए समीकरणों पर स्थिति का साफ होना बाकी है। उम्मीदवारों की नई सूची एक विषय है, जिस पर अब यह लगभग तय है कि अखिलेश यादव का वर्चस्व होगा। दूसरा मसला कांग्रेस के साथ गठबंधन का है, जिसके लिए अखिलेश यादव सार्वजनिक तौर पर अपनी मंशा व्यक्त कर चुके हैं।

प्रेरक चेहरा बने रोल मॉडल

क्षमा शर्मा

शायद वंडरवूमैन के तमाम स्त्री सम्बंधी कारनामों को देखते हुए, उसके 75वें वर्ष में संयुक्त राष्ट्र ने वंडरवूमैन को स्त्री सशक्तीकरण के लिए अवैतनिक राजदूत बनाने की सोची। लेकिन जैसे ही यह घोषणा हुई, लोग अप्रसन्नता प्रकट करने लगे। मौन विरोध प्रदर्शन होने लगे। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के बहुत से कर्मचारियों ने इस घोषणा के विरोध में एक पिटीशन दिया। जिसमें कहा गया था कि जब पूरी दुनिया में औरतों को सैक्स आब्जेक्ट बनाने के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं, ऐसे में वंडरवूमैन जैसी काल्पनिक महिला, जिसकी छवि बहुत सैक्सी है, उसे औरत सशक्तीकरण का पर्याय बनाना ठीक नहीं है।

वर्ष 1940 में मनोवैज्ञानिक विलियम मोल्टन मार्सटन ने सोचा कि दुनिया को एक ऐसे हीरो की जरूरत है जो दुनिया को प्यार से जीत सके। इसी साल उन्हें अमेरिका की दो कम्पनियों- नेशनल पीरियोडीकल्स और आल अमेरिकन पब्लिकेशंस का शिक्षा सम्बंधी मसलों का सलाहकार बना दिया गया। बाद में इन दोनों कम्पनियों का डी सी कामिक्स में विलय हो गया।

लेकिन मार्सटन के मन में सुपर हीरो के निर्माण की बात लगातार चल रही थी। जब उन्होंने अपनी पत्नी एलिजाबेथ से इसकी चर्चा की तो उन्होंने कहा कि विचार तो अच्छा है, मगर सुपर हीरो नहीं, हीरोइन यानी कि ऐसा चरित्र बनाया जाए जो महिला हो। जो दुनिया को जीत सके। इस तरह वंडरवूमैन का जन्म हुआ। मार्सटन ने कहा भी कि वंडरवूमैन नए युग की महिला है जो संसार पर शासन करने के लिए बनी है। वह स्त्री अधिकारों की प्रबल समर्थक और रक्षक है।

शायद वंडरवूमैन के तमाम स्त्री सम्बंधी कारनामों को देखते हुए, उसके 75वें वर्ष में संयुक्त राष्ट्र ने वंडरवूमैन को स्त्री सशक्तीकरण के लिए अवैतनिक राजदूत बनाने की सोची। लेकिन जैसे ही यह घोषणा हुई, लोग अप्रसन्नता प्रकट करने लगे। मौन विरोध प्रदर्शन होने लगे। यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र के बहुत से कर्मचारियों ने इस घोषणा के विरोध में एक पिटीशन दिया। जिसमें कहा गया था कि जब पूरी दुनिया में औरतों को सैक्स आब्जेक्ट बनाने के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं, ऐसे में वंडरवूमैन जैसी काल्पनिक महिला, जिसकी छवि बहुत सैक्सी है, उसे औरत सशक्तीकरण का पर्याय बनाना ठीक नहीं है। आखिर वंडरवूमैन के पास देह दिखाता अमेरिकी झंडे से लिपटा स्विमिंग सूट, गोरे रंग, घुटनों तक के जूतों और बहुत अधिक सैक्सी छवि के अलावा क्या है? इस पिटीशन पर पैंतालीस हजार लोगों ने हस्ताक्षर किए थे।

दुनियाभर में इसके विरोध में लेख लिखे गए। बहसें हुईं। यह पूछा गया कि क्या वंडरवूमैन जैसे कामिक और काल्पनिक चरित्र संयुक्त राष्ट्र के द्वारा महिला सशक्तीकरण के वास्तविक रोल मॉडल बन सकते हैं। दुनिया में बहुत सी औरतें ऐसी हैं जो अपने अच्छे कामों के बल पर दुनिया की औरतों के लिए रोल मॉडल बन सकती हैं।

देखने की बात यह भी है कि वंडरवूमैन से लोग उसके कामों से ज्यादा, उसकी खूबसूरती से ज्यादा प्रभावित होते हैं। क्या हम अपनी बेटियों को वंडरवूमैन जैसा बनाकर महिला सशक्तीकरण का पाठ पढ़ाना चाहते हैं और उनसे कहना चाहते हैं कि वे और कुछ करें न करें, बस सैक्सी दिखें। दुनिया में हजारों औरतें ऐसी हैं जो बिना सैक्सी छवि के भी औरतों की रोल मॉडल्स हैं।

अनुत्तरित सवाल, जरूरी सबक

नोटबंदी को 50 दिन हो गये। प्रधानमंत्री द्वारा मांगे गये 50 दिन भी पूरे होने वाले हैं, पर स्थिति सामान्य से अभी भी बहुत दूर है। ऐसे में राहुल गांधी और ममता बनर्जी सरीखे राजनीतिक विरोधियों के वार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार तीखे होते जा रहे हैं तो उसमें आश्चर्य कैसा? 8 नवंबर की रात भ्रष्टाचार और काले धन पर प्रहार के रूप में 500 और 1000 रुपये के नोट बंद करने का ऐलान करते हुए प्रधानमंत्री ने दो-तीन सप्ताह में स्थिति सामान्य होने का आश्वासन दिया था। बाद में इस अवधि में बदलाव होते रहे। बदलाव पुराने नोट जमा करने और नयी करंसी निकासी संबंधी नियमों में भी कम नहीं हुआ, लेकिन बैंक-एटीएम से अपना ही धन निकालने के लिए कतारों में लगे आम आदमी की मुश्किलें कम होती नजर नहीं आयीं। बार-बार नियमों में बदलाव सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा संभावित स्थिति के गलत आकलन का ही परिणाम था, लेकिन प्रधानमंत्री ने इसे अपनी सरकार की संवेदनशीलता के रूप में पेश करना पसंद किया। अब जबकि बैंक-डाकघरों से 500-1000 रुपये के पुराने नोट बदलने की अवधि भी आज समाप्त होने जा रही है, यह सवाल अपेक्षित ही है कि नोटबंदी से काले धन पर प्रहार का लक्ष्य कितना हासिल किया जा सका। आंकड़े बताते हैं कि 500-1000 रुपये के जितने नोट प्रचलन में थे, उनमें से 80 प्रतिशत से अधिक बैंकों-डाकघरों में वापस आ गये। 30 दिसंबर को बैंक-डाकघर में पुराने नोट जमा करवाने की अवधि समाप्त हो जाने के बाद 31 मार्च, 2017 तक रिजर्व बैंक में ये नोट जमा कराये जा सकेंगे। संभव है कि पुराने नोटों की वापसी का आंकड़ा 90 प्रतिशत के आसपास पहुंच जाये। अब यह स्वाभाविक सवाल अनुत्तरित है कि उस काले धन का क्या हुआ, जिसके खात्मे के लिए नोटबंदी का कदम उठाया गया था? बेशक सरकार ने 31 मार्च के बाद 500-1000 के 10 से अधिक पुराने नोट पाये जाने पर सजा और जुर्माने के प्रावधान वाला अध्यादेश जारी कर दिया है, पर उससे सवाल का जवाब नहीं मिल जाता। यह आंकड़ा भी सरकार की छवि निखारने वाला तो हरगिज नहीं है कि पुरानी करंसी के मुकाबले सिर्फ 38 प्रतिशत ही नयी करंसी जारी की गयी है।

बीसीसीआई को बड़ा झटका

अनुराग ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट ने अध्यक्ष पद से हटाया

अवमानना का नोटिस जारी

नई दिल्ली। लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को बीसीसीआई द्वारा लागू करने में हो रही आनाकानी के मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को बड़ा फैसला किया है। बीसीसीआई को सुप्रीम कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। बीसीसीआई के अध्यक्ष अनुराग ठाकुर को सुप्रीम कोर्ट ने उनके पद से हटा दिया है। उनके साथ अजय शिर्के को भी बीसीसीआई सचिव पद से सुप्रीम कोर्ट ने हटा दिया है। अनुराग ठाकुर पर लोढ़ा कमेटी की सिफारिशों को नहीं मानने का आरोप है। अनुराग पर गलत हलफनामा देने का भी आरोप है। सुप्रीम कोर्ट ने अनुराग ठाकुर को अवमानना नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने कहा है कि प्रशासकों की समिति बीसीसीआई के कामकाज को देखेगी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अध्यक्ष का काम बीसीसीआई का सबसे वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सचिव का काम संयुक्त सचिव संभालेगा। गौर हो कि पिछली सुनवाई में चीफ जस्टिस टीएस ठाकुर ने कहा था कि बीसीसीआई प्रमुख अनुराग ठाकुर पर कोर्ट की अवमानना का केस चलाया जा सकता है।

कोर्ट ने कहा कि बीसीसीआई के सभी पदाधिकारियों और राज्य संघों को लोढ़ा समिति की सिफारिशों का पालन करने के लिये शपथपत्र देना होगा। लोढ़ा पैनल की सिफारिशों को मानने से इन्कार करने वाले बीसीसीआई और राज्य संघों के सभी पदाधिकारियों को अपना पद छोड़ना होगा । सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि सत्तर साल से अधिक उम्र, मानसिक तौर पर असंतुलित व्यक्ति, मंत्री, सरकारी कर्मचारी, दोषी व्यक्ति और नौ साल तक पद पर रहने वाले व्यक्ति पदाधिकारी नहीं बन सकते । सुप्रीम कोर्ट अब 19 जनवरी को इस मामले में सुनवाई करेगा।

आईसीसी रैंकिंग

शीर्ष पर रहते अश्विन ने किया 2016 का समापन

दुबई

इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे भारत के ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने टेस्ट गेंदबाजों की विश्व रैंकिंग में शीर्ष पर रहते हुए 2016 का समापन किया है। वहीं उनके साथी स्पिन गेंदबाज रवींद्र जडेजा शनिवार को जारी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट गेंदबाजों की रैंकिंग में अपना दूसरा स्थान बचाने में कामयाब रहे हैं। भारतीय टेस्ट टीम के कप्तान विराट कोहली साल के अंत में टेस्ट बल्लेबाजों की रैंकिंग में दूसरे स्थान पर बने हुए हैं।

आस्ट्रेलिया के कप्तान स्टीवन स्मिथ को पहला स्थान हासिल हुआ है। अश्विन, जडेजा और कोहली ने हाल ही में न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुई घरेलू टेस्ट श्रृंखलाओं के दौरान यह रैंकिंग हासिल की। गेंदबाजों में दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबादा और काइल एबॉट ने करियर की सर्वोच्च रैंकिंग हासिल की है। इन दोनों ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ खेले गए पहले टेस्ट मैच में क्रमश: चार और पांच विकेट लिए।

कमजोरियों से पार पाना ही निरंतरता है : विराट कोहली

नई दिल्ली = भारतीय टेस्ट कप्तान विराट कोहली का मानना है कि प्रत्येक खिलाड़ी की कुछ कमजोरियां होती हैं लेकिन जो इन पर सफलतापूर्वक काम करता है वह एक शीर्ष स्तर के क्रिकेटर से जिस तरह की निरंतरता की उम्मीद की जाती है, उसे हासिल कर सकता है। कोहली ने 2016 में टेस्ट क्रिकेट में 1215 रन और सभी तरह के प्रारूपों में 2500 से अधिक रन बनाये। उन्होंने हर प्रारूप में भारत की तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया और भारतीय टेस्ट कप्तान का मानना है कि यह अपने खेल को बेहतर समझने से जुड़ा है।

उन्होंने ईसीबी-सीओयूके के साथ बातचीत में कहा, 'यह मेरा अपने खेल को पहले की तुलना में अधिक बेहतर समझने से जुड़ा है। मेरे पास जो कौशल है उसमें मैं खुश हूं। मैं अपने कमजोर और मजबूत पक्षों को अच्छी तरह से जानता हूं।' कोहली ने कहा, 'यह उचित संतुलन हासिल करने से भी जुड़ा है। लोग किसी तरह की कमजोरी नहीं होने की बात करते हैं और यह गलत है। प्रत्येक की कुछ कमजोरियां होती हैं तथा निरंतरता कुछ नहीं बल्कि इन कमजोरियों से पार पाना और टेस्ट क्रिकेट में अपने खेल के अनुरूप रन बनाने की क्षमता हासिल करना है।'

रिकी पोंटिंग आस्ट्रेलिया की टी20 कोचिंग टीम से जुड़े

सिडनी। पूर्व टेस्ट कप्तान रिकी पोंटिंग को अगले महीने श्रीलंका के खिलाफ होने वाली सीरीज के लिये आस्ट्रेलिया की टी20 अंतरराष्ट्रीय टीम का सहायक कोच नियुक्त किया गया। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने आज यह जानकारी दी। तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों के दौरान आस्ट्रेलिया के महान बल्लेबाजों में से एक पोंटिंग अंतरिम मुख्य कोच जस्टिन लैंगर और अंतरिम सहायक कोच जेसन गिलेस्पी के साथ काम करेंगे। ये मैच मेलबर्न (17 फरवरी), जीलोंग (20 फरवरी) और एडिलेड (22 फरवरी) में खेले जायेंगे। पोंटिंग की कोचिंग में मुंबई इंडियंस ने इंडियन प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया था। उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा कहा है कि जब मैं संन्यास ले लूंगा तो मैं क्रिकेट से ही जुड़े रहना चाहूंगा और क्रिकेट में मेरे बेहतरीन साथियों जस्टिन लैंगर और जेसन गिलेस्पी के साथ काम करने से बेहतर काम और क्या हो सकता है।

कुश्ती की शुरू होगी जंग, साक्षी पर रहेंगी निगाहें

नई दिल्ली

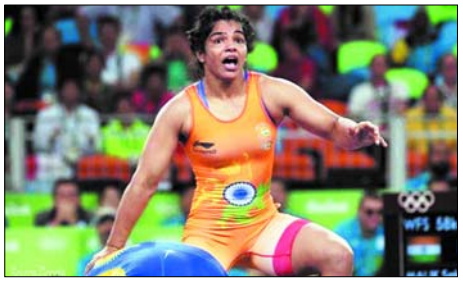

भारत और दुनिया के शीर्ष पहलवानों के बीच जंग का एलान हो चुका है और सोमवार से यहां इंदिरा गांधी खेल परिसर के केडी जाधव कुश्ती स्टेडियम में शुरू हो रहे प्रो कुश्ती लीग के दूसरे संस्करण में सभी निगाहें रियो ओलंपिक में इतिहास बनाने वाली साक्षी मलिक पर लगी रहेंगी।

गत विजेता मुंबई महारथी और हरियाणा हैमर्स के बीच प्रो कुश्ती लीग का उद्घाटन मुकाबला खेला जाएगा। इस लीग में छह टीमें हिस्सा ले रही हैं और सभी मुकाबले दिल्ली में 19 जनवरी तक चलेंगे। इस बार जयपुर निंजास, मुंबई महारथी, यूपी दंगल, एनसीआर पंजाब रॉयल्स, हरियाणा हैमर्स और दिल्ली सुल्तांस की टीमों के बीच कड़ा संघर्ष होने की उम्मीद है।

लीग के दूसरे संस्करण का सबसे बड़ा आकर्षण साक्षी मलिक होंगी जिन्होंने रियो ओलंपिक में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा था हालांकि लीग की नीलामी में साक्षी को 30 लाख रुपए की ही कीमत मिली थी लेकिन इस समय वह भारतीय कुश्ती की सबसे बड़ी स्टार हैं। साक्षी की दिल्ली टीम को सलमान खान की मशहूर फिल्म सुल्तान की तर्ज पर दिल्ली सुल्तांस का नाम दिया गया है और साक्षी को इस टीम का कप्तान एवं आइकन बनाया गया है। साक्षी को लीग में कड़ी चुनौती उनके 58 किग्रा वजन वर्ग में गीता फोगाट से मिलेगी जो आमिर खान की फिल्म दंगल के कारण रातों रात चर्चा में आ गई हैं।

आरबीआई ने नोटबंदी पर RTI में इन सवालों का जवाब देने से किया इनकार

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 8 नवंबर को अचानक 500 और 1,000 का नोट बंद करने की घोषणा किए जाने से पहले इस पर वित्त मंत्री या मुख्य आर्थिक सलाहकार सीईए के विचार लिए गए थे या नहीं? भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचना के अधिकार के तहत इस सवाल का जवाब देने से इनकार कर दिया है।

केंद्रीय बैंक ने कहा कि कानून के तहत यह दी जाने वाली सूचनाओं की परिभाषा के दायरे में नहीं आता।

आवेदक ने पूछा था कि क्या नोटबंदी की घोषणा से पहले मुख्य आर्थिक सलाहकार अरविंद सुब्रमण्यम तथा वित्त मंत्री अरुण जेटली के विचार लिए गए थे। रिजर्व बैंक ने आरटीआई के जरिये पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, इस तरह का सवाल, जिसमें सीपीआईओ की राय मांगी गई है, आरटीआई कानून की धारा 2एफ के तहत यह सूचना की परिभाषा में नहीं आता।

क्या मांगी गई सूचना सीपीआईओ से राय मांगने के तहत आती है, पर पूर्व मुख्य सूचना आयुक्त ए एन तिवारी ने कहा कि ऐसा नहीं है। आरटीआई आवेदक ने तथ्य के बारे में जानकारी मांगी है। सीपीआईओ यह नहीं कह सकता कि उससे राय मांगी गई है।

पूर्व सूचना आयुक्त शैलेष गांधी ने कहा, इसे कैसे राय मांगना कहा जा सकता है? क्या किसी से विचार विमर्श किया गया या नहीं, रिकार्ड का मामला है। यदि सवाल यह होता कि क्या विचार लिए गए थे, तो यह राय मांगना होता। उन्होंने रिजर्व बैंक के केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी के जवाब पर हैरानी जताई। यह सवाल प्रधानमंत्री कार्यालय पीएमओ तथा वित्त मंत्रालय से भी किया गया है। लेकिन आरटीआई आवेदन के 30 दिन बाद भी इस पर जवाब नहीं दिया गया है। आवेदक ने यह भी जानना चाहा है कि 500 और 1,000 का नोट बंद करने से पहले किन अधिकारियों के साथ विचार विमर्श किया गया है। ये अधिकारी किन पदों पर हैं। रिजर्व बैंक ने कहा कि जो सूचना मांगी गई है वह बैंक नोटों को चलन से बाहर करने के बारे में है। आरटीआई कानून की धारा 81ए के तहत इसका खुलासा करने की जरूरत नहीं है।

मौद्रिक नीति नियामक ने यह भी बताने से इनकार किया कि क्या किसी अधिकारी या मंत्री ने नोटबंदी के फैसले का विरोध किया था। रिजर्व बैंक ने कहा कि जो सूचना मांगी गई है कि वह कल्पित प्रकृति की है।

धारा 81ए का हवाला देते हुए केंद्रीय बैंक ने नोटबंदी पर बैठक के मिनट्स का ब्योरा देने से भी इनकार किया।

खुशखबरी! होटल, रेस्टोरेंट में सर्विस चार्ज देना जरूरी नहीं, सरकार ने किया साफ

नई दिल्ली= सरकार ने साफ किया है कि रेस्टोरेंट के बिल में लगने वाला सर्विस चार्ज ऑप्शनल है,जरुरी नहीं। गौरतलब है कि सर्विस चार्ज और सर्विस टैक्स में फर्क होता है। और ये छूट सर्विस टैक्स नहीं बल्कि सर्विस चार्ज पर दी गई है और सर्विस चार्ज देना कस्टमर की मर्जी पर है कि वो दे या ना दे।सर्विस चार्ज वैसे तो ग्राहक की इच्छा पर निर्भर करता है लेकिन ज्यादातर होटल और रेस्तरां सर्विस चार्ज लेते हैं। सर्विस चार्ज आमतौर पर बड़े होटल्स और रेस्टोरेंट में लिया जाता है। अब आपके पास ऑप्शन है कि अगर आपको होटल या रेस्टोरेंट की सर्विस पसंद नहीं आई तो आप सर्विस चार्ज देने से इनकार कर सकते हैं। केन्द्र सरकार ने राज्यों से कहा है कि वे सुनिश्चित करें कि होटलों, रेस्त्राओं में सेवा शुल्क के बारे में सूचना-पट पर जानकारी दी गई हो।अगर किसी कंज्यूमर को गलत तरीके से सर्विस के बदले पैसा देने के लिए मजबूर किया जाता है तो वह इसकी शिकायत कंज्यूमर फोरम से कर सकता है। देश में ज्यादातर ग्राहकों को इस बात की जानकारी नहीं है कि सर्विस चार्ज देने या नहीं देने का विकल्प उसके पास होता है। उन्हें रेस्तरां से इसके बारे में पूछना चाहिए।

एक और बायॉपिक में काम करेंगी प्रियंका!

भव्य फिल्में बनाने के लिए मशहूर संजय लीला भंसाली की पिछली फिल्म बाजीराव मस्तानी में प्रियंका चोपड़ा ने बाजीराव की पत्नी काशीबाई का दमदार किरदार निभाकर भंसाली का दिल जीत लिया था। उससे पहले भंसाली की फिल्म गोलियों की रासलीला रामलीला में भी प्रियंका एक स्पेशल डांस नंबर में नजर आई थीं।

पिछले एक-डेढ़ साल से हॉलिवुड में बिजी प्रियंका आजकल दो हफ्तों की छुट्टी लेकर इंडिया आई हुई हैं। ऐसे में अपने अगले बॉलिवुड प्रॉजेक्ट के लिए प्रियंका इन दिनों कई लोगों से मिल रही हैं और स्क्रिप्ट्स भी पढ़ रही हैं। खबर है कि जल्द ही प्रियंका संजय लीला भंसाली की नई फिल्म साइन कर सकती हैं। दरअसल, 2018 तक प्रियंका का शेड्यूल बहुत टाइट है। अगले साल भी उनके पास सिर्फ दो फिल्में करने का ही वक्त होगा।

प्रियंका का इरादा एक इंडियन और एक इंटरनैशनल फिल्म करने का है। ऐसे में वह बेहद सोच-समझकर और चुनिंदा काम ही करना चाहती हैं। चूंकि संजय लीला भंसाली को प्रियंका की ऐक्टिंग और उनका डेडिकेशन बेहद पसंद है, तो वहीं भंसाली भी प्रियंका के फेवरिट डायरेक्टर हैं, ऐसे में इन दोनों के फिर से साथ काम करने की खबरें जोर पकड़ रही हैं। खबरों के मुताबिक, भंसाली एक बार फिर प्रियंका को अपनी अगली फिल्म में लेने की तैयारी कर हैं। इस फिल्म को वह पद्मावती के बाद शुरू करेंगे। फिल्म की स्क्रिप्ट को लेकर प्रियंका और भंसाली के बीच पिछले एक साथ से डिस्कशन चल रहा था, मगर अब बात फाइनल स्टेज तक पहुंच गई है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भंसाली जाने-माने गीतकार और शायर साहिर लुधियानवी की बायॉपिक पर काम कर रहे हैं, जिसमें मशहूर लेखिका अमृता प्रीतम का किरदार निभाने के लिए उन्होंने प्रियंका को अप्रोच किया है। इस फिल्म का नाम गुस्ताखियां होगा, जिसमें प्रियंका का बेहद अहम रोल होगा और फिल्म में उनके अपोजिट दो एक्टर भी होंगे। इसके साथ भंसाली दो अन्य फिल्मों को प्रोड्यूज भी करेंगे। सूत्रों का कहना है कि पिछले चार महीनों के दौरान प्रियंका बॉलिवुड के सात डायरेक्टरों से मुलाकात कर चुकी हैं और उनके साथ स्क्रिप्ट्स पर चर्चा कर चुकी हैं, मगर भंसाली के प्रोजेक्ट में प्रियंका भी काफी इंट्रेस्ट दिखा रही हैं। वह अगले हफ्ते भंसाली से फिर मिलेंगी। ऐसे में उम्मीद की जा रही है कि फरवरी तक प्रियंका उनकी फिल्म साइन कर लेंगी।

विटामिन ए पाना है तो खाएं ये

10 रंग बिरंगी सब्जियां

क्या आप उन लोगों में से हैं जो हर वक्त गाजर चबाते रहते हैं या जिन्हें कच्ची सब्जियों को सलाद के रूप में खाना पसंद है। हैरान ना हों, ये कोई बुरी आदत नहीं है बल्कि अन्जाने में आपने अपनी सेहत को बनाने के तरीके को अपनाया है। गाजार व अन्य कई सब्जियों में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है जोकि हमारी आंखों की रोशनी को बरकरार रखने के लिए बेहद जरूरी है। मांसाहारी व्यंजनों में विटामिन ए रेटीनॉयड के रूप में होता है तथा शाकाहारी में यह कैरोटीनॉयड के रूप में होता है। विटामिन ए प्रतिरक्षा शक्ति को बढाता है, कोशिकाओं को विकसित होने में मदद करता है तथा त्वचा को मुलायम बनाता है। अतः दोनों ही व्यंजनों के शौकीन व्यक्ति अपनी रूचि अनुसार शरीर में इसकी जरूरत को पूरा कर सकते हैं।

❝ गाजर जितनी अच्छी लोगों को गाजर लगती है उसे भी अधिक गाजर का हलवा लोगों को भाता है। सेहत बनाने के लिए आप इस रसीली व मीठी गाजर को जैसे चाहें खा सकते हैं। पर क्या आप जानते हैं कि आपकी 334 फीसदी दैनिक विटामिन ए की आवश्यकता एक कटोरी गाजर में मौजूद होती है।

❝ शकरकंद सर्दियों के मौसम में बाजार हरी-भरी सब्जियों से भर जाता है। गर्मियों की तुलना में हमें सर्दियों में अधिक सब्जियां खाने मिलती है। इस मौसम में शकरकंद को खाने का अपना एक अलग स्वाद है। अपने शरीर की विटामिन ए की कमी को पूरा करने के लिए शकरकंद का आनंद लें।

❝ हरी पत्तेदार सब्जियां थाली में सब्जी छोडने पर बच्चों को डांट पडती है। बचपन में हमारा हाल भी कुछ ऐसा ही था। लेकिन इस डांट के पीछे का कारण हमारी सेहत से जुड़ा हुआ है। पोषक तत्वों से लैस इन हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदे अनेक हैं। अतः इन्हें पकाते वक्त थोडा सा कच्चा रखें।

❝ कद्दू कुछ लोग कद्दू की सब्जी बनाते हैं तो कुछ इसका सेवन मीठे के रूप में करते हैं। यह व्यक्ति के स्वाद व पसंद पर निर्भर करता है। 100 ग्राम कद्दू आपकी 170 प्रतिशत दैनिक विटामिन ए की आवश्यकता को पूरा करता है।

❝ जिगर चिकन कबाब व मटन बिरयानी हर दावत व पार्टी की शान है। मांसाहारी इसे अपना पूरा भोजन मानते हैं। इनके बगैर उनकी भूख नहीं मिटती। लेकिन चिकन व मटन के जिगर में विटामिन ए भरपूर मात्रा में होता है। इसका थोडा सा सेवन आपकी सेहत के लिए लाभदायक होगा। कई मांसाहारियों को यह सच नहीं पता होगा।

❝ हरा धनिया सब्जी के स्वाद को बढाने के लिए तथा उसकी रंगत को निखारने के लिए हरे धनिये को सब्जी के ऊपर से डाला जाता है। इसकी महक से खाना और लजीज़ बन जाता है और इसमें मौजूद विटामिन ए आपके स्वास्थ्य के लिए गुणकारी हैं। आप चाहे तो सब्जी में तुलसी या सूखा धनिया भी डाल सकते हैं।

❝ दूध दूध का नाम सुनते ही बच्चे मुंह बनाने लगते हैं। जिसे पीलाने के लिए मांओं को उनके पीछे-पीछे भागना पडता है। दूध ने अपने अंदर केवल कैल्शियम ही नहीं बल्कि अन्य विटामिनों को भी सहेजा है। इसलिए रोज एक गिलास दूध पिएं और स्वस्थ्य रहें।

❝ मछली कई अध्ययनों से यह पता चला है कि अपने आहार में मछली को शामिल करने से तंदरुस्ती बरकरार रहती है। आप इसे तल कर या फिश करी के रूप में खा सकते हैं। मछली के स्वाद को जानने के लिए उसकी हड्डियों को गिने क्योंकि कहा जाता है कि अधिक हड्डियों वाली मछली ज्यादा स्वादिष्ट होती है।

❝ टमाटर टमाटर एंटीऑक्सीडेंट व विटामिन का एक अच्छा स्रोत है। टमाटर में मौजूद लाइकोपीन कैंसर कोशिकाओं को विकासित होने से रोकता है। टमाटर प्रोस्टेट, पेट व कोलोरेक्टल कैंसर में फलदायक है। टमाटर में क्रोमियम नामक खनिज रक शर्करा के स्तर को नियंत्रण में रखने में मदद करता है।

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

रूप सिंह राजपूत
प्रदेश महासचिव
नरेन्द्र मोदी विचार मंच म.प्र.

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

रामसेवक मावई
समाज सेवी
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

संदीप तिवारी
म.प्र. अध्यक्ष
राष्ट्रीय परशुराम सेना

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

सुनील राजपूत
अध्यक्ष
बेटी रक्षामंच ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

दिलीप गोयल
समाज सेवी
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

रोहित गुप्ता
एडवोकेट
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

शोभराज रावत
समाज सेवी
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

रामवरन शास्त्री जी
कथा वाचक
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

अनामिका शर्मा
एडवोकेट
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

राम पाठक
समाज सेवी
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

भूपेन्द्र सिंह चौहान
प्रमुख
प्रताप सैना ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

अरविंद सिंह कुशवाह
संस्थापक
साक्षी रक्तदान समूह

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

राजेन्द्र झा
संघर्ष न्यूज, प्रदेश सचिव इलैक्ट्रोनिक मीडिया एसोसिएशन

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

राजेश शर्मा
संस्थापक
महासचिव म.प्र. पत्रकार संघ

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

राजानल शर्मा
कार्यकारिणी सम्पादक
पुष्पांजली टुडे

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

सुरेन्द्र माथुर
अध्यक्ष
म.प्र. पत्रकार संघ

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

शैलेश सिंह कुशवाह
ब्यूरो चीफ म.प्र.
पुष्पांजली टुडे

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

सत्यपाल तोमर
डायरेक्टर
एस.न्यूज ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

प्रदीप सिंह डोगरा
प्रभारी ग्वालियर
मानव अधिकार प्रोटेक्शन ऑगनाइजेशन भारत सरकार दिल्ली

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

अनिल राजपूत
संवाददाता ग्वालियर
पुष्पांजली टुडे

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

संदीप यादव
समाज सेवी
ग्वालियर

नूतन वर्ष 2017 व पुष्पांजली टुडे
(समाचार पत्र)
के प्रथम अंक के प्रकाशन पर
हार्दिक शुभकामनाऐं

राजेश राठौर
डायरेक्टर
यूनीवर्सल डे वोडिंग आकेडमी ग्वालियर मोबा. 7879337770

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
सम्पादक-भरत सिंह चौहान। E-mail : pushpanjalitoday@gmail.com मोबा.93011174878